प्रेरणा

समय का उत्तम उपयोग
करना सीखें
क्योंकि विश्व के ज्यादातर
सफल मनुष्यों ने
इसी का प्रयोग किया है।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो
कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 14 APRIL TO 20 APRIL 2023 • VOLUME 38 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

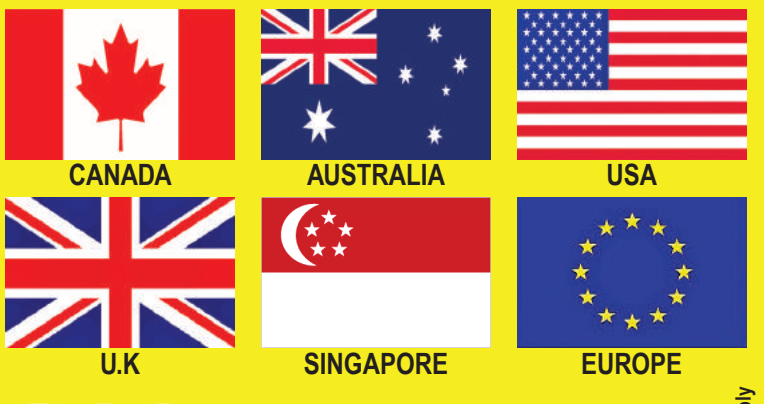

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

माफिया अतीक का फरार बेटा असद एनकाउंटर में ढेर

मुख्यमंत्री योगी ने यूपी एसटीएफ को दी बधाई

लखनऊ. माफिया अतीक अहमद के बेटे और उमेश पाल हत्याकांड मामले में फरार असद को गुरूवार को उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम ने एक एनकाउंटर में ढेर कर दिया। यह एनकाउंटर झांसी में हुआ। इसके बाद उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी बैठक की। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि पूर्व सांसद अतीक अहमद के बेटे असद और उसके सहयोगी के एनकाउंटर के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था को लेकर बैठक की। इसके साथ ही बताया गया कि योगी ने यूपी एसटीएफ के साथ ही डीजीपी, स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर और पूरी टीम की तारीफ की। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने मुठभेड़ की जानकारी मुख्यमंत्री को दी।

असद अहमद के एनकाउंटर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मैं एसटीएफ टीम को बधाई देता हूं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जो अपराध करेगा वो बचेगा नहीं, उसे फांसी होगी और अगर पुलिस से भिड़ेगा तो पुलिस को जवाबी कार्रवाई करनी होगी। यह बहुत ऐतिहासिक कार्रवाई है और बहुत बड़ा संदेश है कि अपराधियों का युग समाप्त हो गया है। एडीजी यूपी एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि उमेश पाल हत्याकांड के मुख्य शूटर असद और गुलाम को आज एक मुठभेड़ में ढूंढ निकाला गया और मार गिराया गया। हमारे पास जानकारी थी कि उनके पास परिष्कृत विदेशी हथियार हैं।

6 सालों में 10,000 से ज्यादा मुठभेड़ हुई

योगी आदित्यनाथ सरकार ने बताया कि पिछले छह सालों में राज्य में पुलिस और अपराधियों के बीच 10,000 से अधिक मुठभेड़ हुई हैं, जिसमें 63 अपराधी मारे गए, जबकि एक बहादुर सिपाही भी शहीद हुआ है। प्रदेश में एनकाउंटर की संख्या के मामले में मेरठ 2017 के बाद से सबसे अधिक 3152 मुठभेड़ों के साथ टॉप पर है। यहां एनकाउंटर में 63 अपराधी मारे गए और 1708 अपराधी घायल हुए। पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक जांबाज पुलिसकर्मी भी शहीद हो गया, जबकि 401 पुलिसकर्मी घायल हो गए. यूपी पुलिस की कार्रवाई के दौरान कुल 5,967 अपराधियों को पकड़ा गया। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में बताया गया है कि यूपी पुलिस ने 2017 के बाद से 10713 एनकाउंटर किए. इनमें से सबसे अधिक 3152 मेरठ पुलिस की ओर से हुए।

मुख्यमंत्री ने पहले दिन 40 करोड़ रुपये का मुआवज़ा बांटा

• जालंधर ब्रीज.अबोहर

पंजाब भर में भारी बारिश के कारण नुकसान बर्दाश्त करने वाले किसानों की संकट की इस घड़ी में हाथ थामते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज यहाँ इन किसानों को ख़ुद मुआवज़ा बाँटने की प्रक्रिया शुरू की और राज्य सरकार ने पहले दिन 40 करोड़ रुपए की मुआवज़ा राशि बाँट कर सभी प्रभावित किसानों को मुआवज़ा देने का कार्य शुरू कर दिया है।

लगातार बारिश के कारण हुए फसलों और घरों के नुकसान के लिए मुआवज़ा बाँटने की मुहिम की शुरुआत करने के उपरांत जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने फाज़िल्का ज़िले के 362 गाँवों को मुआवज़े के तौर पर कुल 12.94 करोड़ रुपए में से 6 करोड़ रुपए ख़ुद बाँटे हैं। भगवंत मान ने कहा, 'आज के दिन को ख़ुशी वाला दिन नहीं कहा जा सकता, क्योंकि मैं प्रकृति के कहर के कारण किसानों के हुए नुकसान की भरपायी करने के लिए यहाँ आया हूँ। संकट की इस घड़ी में प्रभावित हुए लोगों ख़ासकर किसानों को राहत देने के लिए आपकी सरकार दृढ़ वचनबद्ध है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार बारिश हाने के बाद उन्होंने ज़मीनी स्तर पर हालात का जायज़ा लेने के लिए प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था। भगवंत मान ने कहा कि खऱाब मौसम के कारण किसानों को हुए भारी नुकसान को देखकर उनका मन दुखी है। उन्होंने कहा कि इसके तुरंत बाद राज्य सरकार ने लोगों के हुए नुकसान का पता लगाने के लिए व्यापक स्तर पर विशेष गिरदावरी करने के आदेश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार की गिरदावरी में पिछली सरकार के मुकाबले निर्णायक परिवर्तन हुआ है, क्योंकि पहले केवल खोखले दावे ही होते थे और ज़मीनी स्तर पर लोगों को कोई मुआवज़ा नहीं दिया जाता था। भगवंत मान ने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान गिरदावरी केवल राजनीतिक रसूखवान लोगों की मज़र्ी पर निर्भर होती थी, जिस कारण किसी भी असली लाभार्थी को मदद नहीं मिलती थी।

स्टेट इंटेलिजैंस एंड प्रीवैंटिव यूनिट और जीएसटी प्राइम की शुरुआत

स्टेट इंटेलिजैंस एंड प्रीवैंटिव यूनिट टैक्स इंटेलिजैंस यूनिट, पटियाला के साथ सीधे तालमेल में करेंगे काम, कर वसूली और पालना के विश्लेषण और निगरानी में राज्य एवं केंद्र के कराधान प्रशासन की मदद करेगा जीएसटी प्राइम

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब के वित्त, योजना, कार्यक्रम लागूकरण, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा द्वारा आज स्टेट इंटेलिजैंस एंड प्रीवैंटिव यूनिट (एस.आई.पी.यू), और जी.एस.टी प्राइम जोकि राज्य के जी.एस.टी अधिकारियों के लिए अपने अधिकार क्षेत्र के अंदर कर वसूली और पालना के विश्लेषण एवं निगरानी करने के लिए एक विश्लेषणात्मक पोर्टल है, की शुरुआत की गई।

यहाँ पंजाब भवन में इस सम्बन्धी हुए विशेष इवेंट को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि कराधान विभाग के मौजूदा 7 मोबाइल विंग्स अमृतसर, बठिंडा, फाज़िल्का, शंभू (पटियाला), लुधियाना और जालंधर को अब स्टेट इंटेलिजैंस और प्रीवैनटिव इकाईयों में तबदील करने के अलावा 3 नए एस.आई.पी.यू स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नए स्थापित किए गए एस.आई.पी.यू में माधोपुर (पठानकोट), मोहाली और मुख्य कार्यालय, पटियाला में केंद्रीय यूनिट शामिल होंगे।

आबकारी विभाग द्वारा बीयर की कम से कम और अधिक से अधिक कीमतें तय

पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कर मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहाँ बताया कि आबकारी विभाग ने बीयर की कीमतों को वाजिब सीमाओं के अंदर रखने के लिए बीयर के कम से कम और अधिक से अधिक रेट तय किए हैं। उन्होंने कहा कि बीयर के पिंटों और डिब्बों की कम से कम और अधिक से अधिक परचून बिक्री कीमत उनमें बीयर की मात्रा की कम से कम और अधिक से अधिक परचून बिक्री कीमत के अनुपात के अनुसार तय की जायेगी। यहाँ पंजाब भवन में आबकारी विभाग की महीनावार समीक्षा मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि आबकारी नीति, 2023-24 में धारा 28 पाई गई है, जिसके अंतर्गत बीयर की दरों को वाजिब सीमाओं में रखने के लिए एल-2/एल-14ए परचून ठेके और अकेले ठेके पर बेची जाने वाली बीयर की कम से कम और अधिक से अधिक परचून कीमत तय करने की शक्ति सरकार को दी गई है।

जालंधर लोकसभा उपचुनाव : पहले दिन 4 नामांकन दाखिल

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

लोकसभा क्षेत्र 04-जालंधर (अ.ज.) उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के पहले दिन गुरूवार को चार उम्मीदवारों ने अपने फॉर्म भरे। डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी जसप्रीत सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इंडियन नैशनल कांग्रेस से करमजीत कौर ने नामांकन के दो सेट दाखिल किए, पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) से मनिंदर सिंह और रचना देवी ने नामांकन दाखिल किया। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारो के बारे में अधिक जानकारी के लिए भारतीय चुनाव आयोग के 'नो योर श्री एंडिडेट' एप को डाउनलोड किया जा सकता है। जिला चुनाव अधिकारी ने बताया कि चूंकि 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती है और 16 अप्रैल को रविवार है, इसलिए इन दिनों में नामांकन नहीं लिया जाएगा, जबकि 15 अप्रैल शनिवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन लिया जाएगा।उन्होंने कहा कि 20 अप्रैल तक नामांकन भरे जाएंगे और नामांकन पत्रों की जांच 21 अप्रैल को सुबह 11 बजे डिप्टी कमिश्नर कोर्ट रूम जिला प्रशासकीय परिसर में होगी।उन्होंने कहा कि उम्मीदवार 24 अप्रैल को बाद दोपहर तीन बजे से पहले अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। उपचुनाव के लिए मतदान 10 मई को सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक होगा और मतगणना 13 मई को होगी।

प्रधानमंत्री द्वारा 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी अभियान के चौथे चरण का शुभारंभ

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 56 उम्मीदवारों को सौंपे नियुक्ति पत्र

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे देश में स्थित 45 केंद्रों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आज 10 लाख युवाओं के लिए भर्ती अभियान "रोजगार मेला" के चोथे चरण का शुभारंभ किया गया । समारोह के दौरान 71,000 नवनियुक्त व्यक्तियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए । इस अवसर पर प्रधान मंत्री ने वर्चुअल मोड द्वारा इन नवनियुक्त व्यक्तियों को भी संबोधित किया । जालंधर ब्रीज: प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे देश में स्थित 45 केंद्रों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आज 10 लाख युवाओं के लिए भर्ती अभियान "रोजगार मेला" के चोथे चरण का शुभारंभ किया गया । समारोह के दौरान 71,000 नवनियुक्त व्यक्तियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए । इस अवसर पर प्रधान मंत्री ने वर्चुअल मोड द्वारा इन नवनियुक्त व्यक्तियों को भी संबोधित किया।

युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और नागरिकों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री की निरंतर प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार सभी मंत्रालय एवं विभाग मिशन मोड में स्वीकृत पदों के विरूद्ध विद्यमान रिक्तियों को भरने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

एक एसा मेगा इवेंट पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स (पीएलडबल्यू), पटियाला में आयोजित किया गया । पी.एल. डबल्यू , पटियाला में आयोजित इस "रोज़गार मेला" के दौरान पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री और "आवास और शहरी मामलों के मंत्री" हरदीप सिंह पुरी ने पंजाब तथा आसपास के क्षेत्रों से 56 नव नियुक्त लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। नवनियुक्त 56 लोगों में 17 लड़कियां हैं।

भाजपा प्रत्याशी अटवाल का भाजपा दफ्तर पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

पंजाब में अमन-शांति के लिए योगी आदित्यनाथ जैसे शासन की जरूरत : विजय रुपाणी

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

भारतीय जनता पार्टी जिला जालंधर के अध्यक्ष सुशील शर्मा की अध्यक्षता में केंद्रीय संसदीय बोर्ड द्वारा घोषित किए गए जालंधर लोकसभा उपचुनाव के प्रत्याशी सरदार इंदर इकबाल सिंह अटवाल का लोकसभा उपचुनाव के लिए बनाए गए दफ्तर स्थानीय लाजपत नगर में पहुंचने पर सभी वर्करों ने गर्मजोशी और उत्साह पूर्वक स्वागत किया उनके स्वागत पर वर्करों ने ढोल नगाड़े की थाप पर फूल मालाओं के साथ मुंह मीठा करवा इंदर इकबाल सिंह अटवाल का स्वागत किया इस मौके पर मुख्य रुप से उपस्थित गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश प्रभारी विजय रुपाणी, केंद्रीय राज्य मंत्री सोम प्रकाश, राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र रैना,उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री एवं लोकसभा उपचुनाव के प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री मंत्री श्रीनिवासुलू, लोकसभा उपचुनाव के सह प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, महामंत्री जीवन गुप्ता, पूर्व संसदीय सचिव कृष्णदेव भंडारी,सरभजीत सिंह मक्कड़ प्रदेश उपाध्यक्ष ,सुभाष शर्मा, राकेश राठौर ,फतेह जंग सिंह बाजवा,प्रदेश सचिव अनिल सच्चर, जिला अध्यक्ष (देहाती साउथ) पंकज ढींगरा जिलाध्यक्ष (देहाती नॉर्थ) रणजीत सिंह पवार ,पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष सूद,अमरजीत सिंह अमरी ,रमन पब्बी, रवि मोहिन्दरू, अशोक चड्डा, शिव दयाल माली मनोज अग्रवाल,अनिल मिनिया, जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की, राजेश कपूर, अमरजीत सिंह गोल्डी ,एस आर, लद्दड़,मुख्य रूप से उपस्थित थे इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री सोम प्रकाश जी ने कहा कि यह चुनाव अटवाल नहीं भाजपा का हर कार्यकर्ता लोकसभा उपचुनाव अटवाल बनकर लड़ेगा यह चुनाव पंजाब भाजपा को नई बुलंदियों पर लेकर जाएगा और सभी पंजाब वासियों को नई दिशा देगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने इंदरइक़बाल अटवाल का मुंह मीठा करवा कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी अश्विनी शर्मा ने कहा कि यह चुनाव अटवाल नहीं लड़ रहा यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी का हर वह कार्यकर्ता हर वह पदाधिकारी जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की विचारधारा के साथ जुड़ा है वे चुनाव लड़ रहा है अश्वनी शर्मा ने कहा कि पंजाब को स्मार्ट सिटी के लिए 800 करोड रुपए का फंड केंद्र सरकार द्वारा आया पर यह काम पंजाब के सांसदों ने देखना था यह सारा पैसा राजनीति संरक्षण के चलते पहली सरकारों ने भ्रष्टाचार में उड़ा दिया

भाजपा पंजाब प्रदेश के प्रभारी एवं गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कहा कि आज भाजपा ने पंजाब में बैसाखी और भारतीय संविधान के रचयिता भारत रतन बाबा साहब अंबेडकर जी की जयंती के पावन अवसर पर भाजपा ने अपना उम्मीदवार की घोषणा की रुपानी जी ने कहा कि आज पंजाब की जनता पंजाब के हालातों से बुरी तरह हताश और परेशान हो चुकी है आज पंजाब की जनता यह जान चुकी है कि मोदी जी पंजाब को सही दिशा में आगे लेकर चल सकते हैं।

विजय रुपाणी ने कहा कि अटवाल ने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार की जन हितैषी और जन कल्याणकारी नीतियां जो देश के हर आखरी व्यक्ति के लिए चलाई जा रही हैं उस से प्रेरित होकर भाजपा ज्वाइन की है।

भारत में देखने लायक हैं ये **5 जैन मंदिर**, एक बार कर आएं यहां दर्शन

दुनिया भर में खूब मंदिर हैं, जिनको लेकर अलग-अलग मान्यताएं हैं। यहां हम भारत के 5 फेमस जैन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं, जहां एक बार आपको जरूर जाना चाहिए।

रणकपुर जैन मंदिर, राजस्थान

गोमतेश्वर मंदिर, कर्नाटक

पलिताना मंदिर, गुजरात

दिलवाड़ा मंदिर, राजस्थान

कुलपकजी मंदिर, तेलंगाना

TRAVELING

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है। इस साल ये 3 और 4 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस दिन जैन मंदिरों में भगवान के लिए झूला लगाया जाता है और इस खास दिन को बड़े उत्साह से मनाया जाता है। यहां हम बता रहे हैं भारत के कुछ फेमस जैन मंदिरों के बारे में जहां आपको एक बार जरूर जाना चाहिए।

रणकपुर जैन मंदिर, राजस्थान

रणकपुर जैन मंदिर भारत के फेमस जैन मंदिरों में से एक है। यह राजस्थान के पाली जिले में अरावली पहाड़ियों के बीच स्थित है, जो जोधपुर और उदयपुर दोनों से थोड़ी दूर है। 14-15वीं शताब्दी के बीच के अलंकृत मंदिर में तीर्थंकर ऋषभनाथ की पूजा होती है।

दिलवाड़ा मंदिर, राजस्थान

दिलवाड़ा मंदिर भारत के बेहतरीन जैन मंदिरों की लिस्ट में शामिल है। यह पवित्र स्थल राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू से थोड़ी दूरी पर है। मंदिर न केवल अपने धार्मिक महत्व के लिए फेमस हैं बल्कि सुंदर और कलात्मक संगमरमर की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध हैं।

गोमतेश्वर मंदिर, कर्नाटक

दुनिया की सबसे बड़ी अखंड मूर्तियों का घर, गोमतेश्वर मंदिर कर्नाटक के हासन जिले के श्रवणबेलगोला में स्थित है। पवित्र जैन मंदिर में पहले तीर्थंकर बाहुबली के रूप में जानी जाने वाली विशाल काले पत्थर की मूर्ति स्थापित है।

पलिताना मंदिर, गुजरात

भारत में जैन मंदिरों का सबसे बड़ा समूह, गुजरात में पलिताना मंदिर तीर्थयात्रा के लिए सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। शत्रुंजय पहाड़ी पर 3000 से ज्यादा मंदिर स्थित हैं जिनमें से 863 जैनियों के पवित्र मंदिर हैं।

कुलपकजी मंदिर, तेलंगाना

भारत में फेमस जैन मंदिरों में तेलंगाना के नलगोंडा जिले में कुलपकजी मंदिर है। इसे कोनालुपक जैन मंदिर के रूप में भी जाना जाता है, 2000 साल पुराना मंदिर श्वेतांबर जैनियों का एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है।

FASHION+

गोल्डन साड़ी में पद्म श्री लेने पहुंची रवीना टंडन,बेटी राशा के लुक ने बटोर ली तारीफें

पद्म श्री अवार्ड लेने फैमिली के साथ राष्ट्रपति भवन पहुंची रवीना टंडन ने गोल्डन सिल्क की साड़ी को चुना। वहीं साथ में पहुंची बेटी राशा टंडन का ट्रेडिशनल लुक फैंस को इंप्रेस कर रहा।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

रवीना टंडन को देश के चौथे सबसे ऊंचे नागरिक सम्मान पद्म श्री से नवाजा गया। राष्ट्रपति भवन में पुरस्कार लेने पहुंची रवीना टंडन ने फोटोज को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जिसमे वो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों सम्मान ले रही हैं। पुरस्कार लेने पहुंची रवीना टंडन पूरी तरह से ट्रेडिशनल अंदाज में रेडी हुईं। जिसमे वो हमेशा की तरह ब्यूटीफुल नजर आ रही हैं। रवीना के साथ ही उनकी बेटी भी ट्रेडिशनल लुक में गॉर्जियस दिख रही है।

बेटी राशा का लुक भी था खास

वहीं रवीना के साथ राष्ट्रपति भवन पहुंची बेटी राशा टंडन का लुक भी काफी एलिगेंट था। काले लहरिया प्रिंट की ए लाइन स्कर्ट के साथ ब्लैक क्रॉप फुल स्लीव टॉप को मैच किया गया है। साथ में गोल्डन बॉर्डर वाले ब्लैक झीने फैब्रिक के दुपट्टे के साथ इस आउटफिट को कंप्लीट लुक दिया गया है। सेंटर पार्टीशन हेयर और पिंक लिपस्टिक के साथ मिनिमम मेकअप में रवीना टंडन की बेटी का लुक एलिगेंट नजर आया। बेटी राशा का लुक भी था खास

वहीं रवीना के साथ राष्ट्रपति भवन पहुंची बेटी राशा टंडन का लुक भी काफी एलिगेंट था। काले लहरिया प्रिंट की ए लाइन स्कर्ट के साथ ब्लैक क्रॉप फुल स्लीव टॉप को मैच किया गया है। साथ में गोल्डन बॉर्डर वाले ब्लैक झीने फैब्रिक के दुपट्टे के साथ इस आउटफिट को कंप्लीट लुक दिया गया है। सेंटर पार्टीशन हेयर और पिंक लिपस्टिक के साथ मिनिमम मेकअप में रवीना टंडन की बेटी का लुक एलिगेंट नजर आया।

बेटी राशा का लुक भी था खास

वहीं रवीना के साथ राष्ट्रपति भवन पहुंची बेटी राशा टंडन का लुक भी काफी एलिगेंट था। काले लहरिया प्रिंट की ए लाइन स्कर्ट के साथ ब्लैक क्रॉप फुल स्लीव टॉप को मैच किया गया है। साथ में गोल्डन बॉर्डर वाले ब्लैक झीने फैब्रिक के दुपट्टे के साथ इस आउटफिट को कंप्लीट लुक दिया गया है। सेंटर पार्टीशन हेयर और पिंक लिपस्टिक के साथ मिनिमम मेकअप में रवीना टंडन की बेटी का लुक एलिगेंट नजर आया।

आम पन्ना गर्मियों में प्यास बुझाने के साथ बॉडी रिफ्रेश भी करता है

इसका नियमित सेवन आपको ताजगी महसूस करवाने के साथ गैस्ट्रोइन्टेस्टनल जैसी समस्याओं को भी दूर करता है। तो आइए बिना देर किए जान लेते हैं कैसे बनाया जाता है आम पन्ना।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

गर्मियों में प्यास बुझाने के लिए लोग बाजार से कई तरह की ड्रिंक्स खरीदकर लाते हैं। लेकिन इन ड्रिंक्स को पीने के बाद न तो प्यास बुझती है और न ही बॉडी में ताजगी महसूस होती है। अगर आपको भी ऐसा लगता है तो आप इस समर सीजन आम पन्ना की टेस्टी रेसिपी ट्राई कर सकते हैं। ये ड्रिंक टेस्टी होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होती है। इसका नियमित सेवन आपको ताजगी महसूस करवाने के साथ गैस्ट्रोइन्टेस्टनल जैसी समस्याओं को भी दूर करता है। तो आइए बिना देर किए जान लेते हैं कैसे बनाया जाता है आम पन्ना।

आम पन्ना बनाने के लिए सामग्री-

- 2 कच्चे आम
- 3 चम्मच ब्राउन शुगर
- 1 छोटे चम्मच जीरा पाउडर
- 2 छोटे चम्मच काला नमक
- 1 छोटे चम्मच नमक
- 2 कप पानी
- 1 छोटा चम्मच पुदीने के पत्ते
- टूटे हुए बर्फ के टुकड़े

आम पन्ना बनाने का आसान तरीका

आम पन्ना बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी डालकर उसमें आम को उबाल लें।

लगभग 10 मिनट तक धीमी आंच पर आम को पकाने के बाद, जब लगे कि वो नर्म हो गया है तो आम को ठंडा होने के लिए रख दें। अब एक चम्मच की मदद से आम को छीलकर पानी की सही मात्रा के साथ आम के गूदे को मिक्सी में डालकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को पैन में निकालकर ब्राउन शुगर के साथ आंच पर पकाएं।

चीनी के आम के साथ पूरी तरह घुल जाने पर पैन को आंच से उतारकर उसमें जीरा पाउडर, काला नमक, नमक मिला लें। अब एक ग्लास में दो चम्मच आम का पेस्ट डालकर ठंडा पानी डालते हुए अच्छे से मिक्स करें। पुदीने के पत्ते से गार्निश करते हुए इसे सर्व करें।

बच्चों के लिए खिलौने खरीदते समय ध्यान रखें ये बातें, बेहतर विकास के लिए हैं जरूरी

PARENTING

रंग-बिरंगे खिलौनें में वो अक्सर अपनी एक अलग और काल्पनिक दुनिया ढूंढ लेते हैं। ऐसे में अपने बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आपको खिलौना खरीदते समय इन 5 बातों का ध्यान

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

खिलौने हर किसी के बचपन का एक अहम हिस्सा होते हैं। आपने अपने परिवार में भी अक्सर बड़े लोगों को अपने खिलौनों से जुड़े अनुभव और कहानियों को घर के बच्चों के साथ शेयर करते हुए देखा और सुना होगा। रंग-बिरंगे खिलौनें में वो अक्सर अपनी एक अलग और काल्पनिक दुनिया ढूंढ लेते हैं। ऐसे में अपने बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आपको खिलौना खरीदते समय इन 5 बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

बच्चे के लिए सुरक्षित हो खिलौना : बच्चे के लिए कोई भी खिलौना पसंद करते समय इस बात का ध्यान जरूर रखें कि वो आपके बच्चे के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो। खिलौना किसी भी कोने से नुकीला या अधिक कलरफुल न हो। नुकीला खिलौना आपके बच्चे को चोट पहुंचा सकता है तो ज्यादा कलरफुल खिलौनों के रंगों में केमिकल्स की वजह से खिलौने विषाक्त हो सकते हैं जिससे बच्चे की सेहत को भी नुकसान हो सकता है।

उम्र के अनुसार हो खिलौना : बच्चे के लिए खिलौने खरीदते समय उसकी उम्र का भी ध्यान रखें। उम्र के अनुसार खरीदे गए खिलौने न सिर्फ बच्चे के शारीरिक बल्कि मानसिक विकास में भी मदद करते हैं।

एक्टिविटी को बढ़ावा देने वाले खिलौने : बच्चे के लिए खिलौना खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि उसका खिलौना ऐसा होना चाहिए जिसमें बच्चे के मनोरंजन के साथ उसकी फिजिकल एक्टिविटी भी होती रहे। उदाहरण के लिए वीडियो गेम्स की जगह उसे कोई चलने वाला खिलौना दें, जिसे पकड़ने के लिए बच्चा घर में एक जगह बैठे रहने की जगह खेलते हुए चलता-फिरता भी रहे।

क्रिएटिव थिंकिंग वाला खिलौना : बच्चे के लिए खिलौना खरीदते समय उसके लिए कोई ऐसा खिलौना पसंद करें जो उसकी क्रिएटिविटी को बढ़ाने में मदद करें। अगर आप बच्चे के लिए अलग-अलग तरह के बिल्डिंग ब्लॉक खरीदेंगे, तो बच्चा उसे इधर-उधर बिखेरते हुए कोई नई आकृति बनाने की कोशिश करेगा। जिससे उनके भीतर रचनात्मकता बढ़ेगी।

ऐसे खिलौनों को खरीदने से बचें : बच्चे के लिए कभी भी ऐसे खिलौने न खरीदें जो उनके अंदर हिंसा, समाजिक, जातीय, और लैंगिक असमानता को बढ़ावा देते हुए उनके कोमल मन पर नकारात्मक प्रभाव डालें। ऐसे खिलौनों से बच्चों को कोसों दूर रखें।

क्या चीनी ज्यादा खाने से होती है डायबीटीज? नमक कैसे पड़ रहा सेहत पर भारी

HEALTH CARE

हेल्दी रहने के लिए खान-पान का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अनजाने में हम खाने से जुड़ी कुछ ऐसी गलतियां करते हैं जो हमें बड़ी बीमारियों की ओर ले जा सकती हैं।

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

सेहत में एक बड़ी भूमिका हमारे खानपान की होती है। अपने खाने-पीने के चुनावों को लेकर कई ऐसी गलतियां हैं, जो हम बार-बार करते हैं। हम अक्सर दोष समय को, अपनी व्यस्त जीवनशैली को देते हैं। पर, क्या सच में ऐसा है? या फिर कुछ बातों को ढंग से समझना जरूरी है? जानते हैं आहार व पोषण विशेषज्ञ से खान-पान से जुड़ी कुछ गलतफहमियों के बारे में...

मिथक -1 आहार में नमक को नियंत्रित करना आसान है

चिंताजनक बात यह है कि हममें से बहुत सारे लोग खाना पकाने के बाद भी उसमें ऊपर से नमक डालकर खा रहे हैं। कई चीजें हैं जो बड़ी आसानी से बिना नमक के खा सकते हैं, पर हम ध्यान नहीं देते। अगर ऐसा नहीं भी करते हैं तो भी प्रोसेस्ड चीजों में नमक का छिपा हुआ स्तर, आपके सेवन को खतरनाक तर पर बढ़ा सकता है। हम जो प्रोसेस्ड चीजें खाते हैं, उसमें पर्याप्त मात्रा में नमक छिपा होता है।

यह हर चीज में है, चिकन सूप, अचार, पापड़, पीनट बटर, ब्रेड, मैकरोनी, पनीर, केचअप, पिज्जा, सलाद ड्रेसिंग, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ आदि कई चीजें हैं। जैम, आचार और दूसरी भरवां चीजों की बात ही अलग है। हालांकि एक पीढ़ी है जो कैलोरी, वसा और कोलेस्ट्रोल की उलझन में लेबल्स पर ध्यान देने लगी हैं। पर, वे भी सोडियम की अनदेखी कर देते हैं। यह कम लोगों को पता है कि लेबल पर जो सोडियम की मात्रा लिखी है, उसका 2.5 गुणा नमक उस उत्पाद में है। मसलन, एक बींस के डिब्बे पर 0.8 ग्राम सोडियम होने का दावा लिखने का मतलब है, उसमें 2 ग्राम नमक है। कुल मिलाकर, लेबल्स ध्यान से पढ़ें, घर का बना खाना अधिक खाएं। हमारे नमक का 85 हिस्सा प्रोसेस्ड फूड से आता है।

मिथक -2 फैट फ्री डाइट दिल के लिए अच्छी होती है

बात केवल संतृप्त वसा की नहीं है, जिससे कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ता है। अमीनो एसिड होमोसिस्टीन का बढ़ा स्तर पर धमनियों पर बुरा असर डालता है। विटामिन बी, शरीर में होमोसिस्टीन से बनने वाले अमीनो एसिड का इस्तेमाल करता है।

ऐसे में अगर होमोसिस्टीन बहुत बढ़ा हुआ है तो संभव है कि आप विटामिन बी युक्त चीजें कम खा रहे हों। बेहतर है कि फोलिक एसिड युक्त चीजें जैसे गहरे हरे पत्तेदार सब्जियां, मूल सब्जियां, फल, नट व दालों को अपने आहार में बढ़ावा दें। खाने में संतुलन रखें।

मिथक -3 मधुमेह का मुख्य कारण चीनी का अधिक सेवन

मोटापा, मधुमेह का मूल कारण है। पिछले दो दशकों में तेजी से बढ़ रहे टाइप 2 डायबिटीज के मामले जीवनशैली से जुड़े हैं। अगर वजन बहुत अधिक बढ़ रहा है तो डायबिटीज होने का जोखिम बढ़ जाता है। लंबे समय तक अधिक कैलोरी का सेवन मोटापे के साथ डायबिटीज के खतरे को भी बढ़ाता है।

मिथक -4 हड्डियों के लिए कैल्शियम ही जरूरी

कैल्शियम ही नहीं, हमारी हड्डियों के लिए लिए विटामिन व खनिज भी बेहद जरूरी होते हैं। आमतौर पर 40 के बाद नियमित अच्छे प्रभाव वाला व्यायाम करना चाहिए। जिम, एरोबिक्स, दौड़ना, तेज चलना आदि अपनी सुविधा के अनुसार कुछ भी चुनें। सक्रिय लोगों में हड्डियों का घनत्व अधिक होता है। एक निष्क्रिय जीवनशैली ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को बढ़ाती है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना : आजीविका के लिए ऋण समर्थन

इस योजना ने छोटे उद्यमों को समर्थन दिया है और शुरुआत के आठ वर्षों में भारतीय सूक्ष्म-ऋण इकोसिस्टम को पुनर्जीवित किया है

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

भारत की प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) ने 8 अप्रैल को आठ वर्ष पूरे किए हैं, ऐसे में हम इस ऋण समर्थन कार्यक्रम द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए परिवर्तनों पर नज़र डाल सकते हैं, जिसकी परिकल्पना 2014-15 के निराशा से भरे दिनों में की गई थी, जब हमारा औपचारिक वित्तीय क्षेत्र, विशेष रूप से देश के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने पर इसके प्रभाव को लेकर, खराब ऋणों के दौर से गुजर रहा था। पीएमएमवाई केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं में से एक है, जो स्व-रोजगार को प्रोत्साहित करती है। यह योजना उन सूक्ष्म और स्वयं के प्रयासों से परिचालित उद्यमों को लक्षित करती है, जो भारत में एक जीवंत व्यापार इकोसिस्टम का निर्माण करते हैं।

सूक्ष्म उद्यम ज्यादातर विनिर्माण, प्रसंस्करण, व्यापार और सेवाओं से जुड़े हैं और इनमें से कई इकाइयां एकल-स्वामित्व वाले व्यवसाय की श्रेणी में हैं।

देश की औपचारिक या संस्थागत संरचना, इन इकाइयों तक पहुंचने और उनकी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ थी। ये इकाइयां बड़े पैमाने पर स्व-वित्तपोषित थीं या व्यक्तिगत नेटवर्क या साहूकारों पर निर्भर थीं। इस अंतर को ध्यान में रखते हुए, बैंक सुविधा से वंचित बड़े क्षेत्र और औपचारिक ऋणदाताओं के बीच आसान माध्यम बनाने के उद्देश्य से पीएमएमवाई की शुरुआत की गई थी। 2015 में शुरू की गयी पीएमएमवाई 10 लाख रुपये तक का गिरवी-मुक्त संस्थागत ऋण प्रदान करती है। यह ऋण सुविधा सदस्य ऋणदाता संस्थानों (एमएलआई) द्वारा दी जाती है: जिनमें अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी), क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी), गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) और सूक्ष्म वित्त संस्थान (एमएफआई) शामिल हैं। पीएमएमवाई के तत्वावधान में, सूक्ष्म इकाई विकास एवं पुनर्वित्तपोषण संस्थान (मुद्रा) ने तीन उप-योजनाएँ तैयार कीं, जिनमें केवल ऋण धनराशि की रकम की दृष्टि से भिन्नता है: शिशु (50,000 रुपये तक के ऋण के लिए), किशोर (50,001 रुपये से 5 लाख रुपये तक के लिए) और तरुण (500,001 रुपये से 10 लाख रुपये तक के लिए)। शिशु, किशोर और तरुण के रूप में उप-योजनाओं के ये नाम भी लाभार्थी सूक्ष्म इकाई के विकास और इसकी धन संबंधी जरूरतों के चरण को दर्शाते हैं। कोई भी व्यक्ति, जो ऋण लेने का पात्र है और उसके पास एक छोटे व्यवसाय उद्यम के लिए व्यवसाय योजना है, योजना के तहत ऋण प्राप्त कर सकता है। लॉन्च होने के बाद से, इस योजना में कई बदलाव हुए हैं। उदाहरण के तौर पर, सकारात्मक आर्थिक प्रभाव को अधिकतम करने के लिए इसके लक्षित क्षेत्र का विस्तार किया गया है। प्रारंभ में, पीएमएमवाई केवल विनिर्माण, व्यापार और सेवाओं के क्षेत्रों में आय सृजित करने वाले गतिविधियों को कवर करती थी।

हालाँकि, 2016-17 से, कृषि से जुड़ी गतिविधियों और आजीविका को बढ़ावा देने वाली सहायक सेवाओं को भी इसके दायरे में लाया गया है; 2017-18 से, ट्रैक्टर और पावर टिलर की खरीद के लिए ऋण मंजूर किए गए हैं और 2018-19 से वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए दुपहिया वाहन खरीदने के लिए ऋण को भी शामिल किया गया है। इस योजना ने कुल ऋण-वितरण में पहले तीन वर्षों में औसतन 33% की वृद्धि दर्ज की। इससे पता चलता है कि इसके प्रस्ताव का लोगों ने स्वागत किया है। कोविड महामारी के प्रकोप और उसके बाद आर्थिक गतिविधियों में मंदी ने इन ऋणों की मांग को प्रभावित किया। इस चरण के दौरान, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक विशेष राहत की घोषणा की, जिसके तहत सभी ऋण देने वाली संस्थाओं को योजना के अंतर्गत सभी किस्तों के भुगतान पर छह महीने की छूट देने का प्रावधान था। अर्थव्यवस्था के फिर से खुलने के बाद पीएमएमवाई के तहत ऋण की मांग में तेजी आई है। अधिकांश श्रेणियों में, ऋण-वितरण कोविड-पूर्व के स्तरों को पार कर गए हैं। 24 मार्च 2023 तक, योजना का संचयी ऋण-वितरण धनराशि 22.65 ट्रिलियन रुपये है। शिशु ऋण की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40% है, जिससे पता चलता है कि पीएमएमवाई ने बड़े पैमाने

सौम्य कांति घोष
(समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारतीय स्टेट बैंक)

...ये लेखक के निजी विचार हैं।

पर पहली बार के उद्यमियों को समर्थन प्रदान किया है। पीएमएमवाई का आर्थिक प्रभाव अब अच्छी तरह से स्थापित हो चुका है। श्रम और रोजगार मंत्रालय के सर्वेक्षण के परिणामों के अनुसार, इस योजना ने 2015 से 2018 की अवधि के दौरान 11.2 मिलियन शुद्ध अतिरिक्त नौकरियां पैदा करने में मदद की थी। पीएमएमवाई का सामाजिक प्रभाव भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे तीन स्तरों पर समझा जा सकता है। योजना के प्रभाव, विशेष रूप से इन तीन स्तरों पर हैं - (1) व्यापक सामाजिक समूह (2) महिलाएं और (3) अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्य। पहले के संदर्भ में, पीएमएमवाई ने भारतीय समाज के सभी वर्गों को लाभान्वित किया है: सामान्य, अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) समूह और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)।

हाल के दिनों में इन ऋणों का लाभ उठाने में ओबीसी और एससी की बढ़ती भागीदारी इस योजना की व्यापक पहुंच का संकेत देती है। योजना की सबसे प्रशंसनीय उपलब्धियों में से एक है - महिला उद्यमिता को बढ़ावा। शुरुआत के बाद से इसके संचयी आंकड़ों में, महिलाओं द्वारा धारित खातों की हिस्सेदारी 69% है, जबकि मंजूर की गयी सूची में महिलाओं की हिस्सेदारी 45% है। योजना के पहले चार वर्षों में, महिला उद्यमियों के लिए ऋण-वितरण में औसतन 23% की वृद्धि दर्ज की गई। 2022 में, इसने 28% की मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए अपने कोविड-पूर्व के स्तर को पार कर लिया। समावेश के अन्य उपायों में भी पीएमएमवाई का प्रदर्शन अच्छा रहा है। यह योजना अल्पसंख्यकों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम रही है। अल्पसंख्यक समूहों के सदस्यों के लिए ऋण, 2022 में सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया और कुल ऋण में उनकी कुल हिस्सेदारी 10% रही, जिसमें शिशु और किशोर ऋण का हिस्सा, कुल संचयी ऋण-वितरण का 85% था। चूंकि पीएमएमवाई एक राष्ट्रीय योजना है, संतुलित आर्थिक विकास के दृष्टिकोण से इसकी सभी स्थानों पर उपस्थिति एक महत्वपूर्ण विचार है। भारत की विकास नीति का एक उद्देश्य देश के फलते-फूलते पश्चिमी और पिछड़े पूर्वी भागों के बीच के अंतर को कम करना रहा है।

खातों की संख्या और वितरित धनराशियों पर आधारित हर्फ़िन्डहल सघनता सूचकांक का अनुमान, राज्यों और उत्पादों के सन्दर्भ में इस योजना के महत्वपूर्ण विस्तार को दर्शाता है। यह प्रभावशाली भौगोलिक कवरेज को इंगित करता है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा और बिहार जैसे राज्यों को पीएमएमवाई से कई तरह के लाभ हुए हैं। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा ने भी अपने कुल हिस्सेदारी में वृद्धि दर्ज की है (और किशोर और तरुण श्रेणियों में भी), जो लाभार्थियों के सन्दर्भ में, पूर्वी भाग की ओर प्रवाह का संकेत देती है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, महाराष्ट्र, कर्नाटक और गोवा जैसे विकसित क्षेत्रों ने अपनी हिस्सेदारी में गिरावट देखी है, भले ही वे इस योजना में अपेक्षाकृत प्रमुख भूमिका में रहे हों। कुल मिलाकर, पीएमएमवाई ने, अपने संचालन के नौवें वर्ष के दौरान, सामाजिक समूहों में स्वरोजगार को बढ़ावा देकर, वाणिज्यिक-बैंक ऋण की दृष्टि से महिलाओं की भागीदारी दर को दोगुना करके और अल्पसंख्यक समूहों की भागीदारी को बढ़ावा देकर; लाभों के समान और निष्पक्ष स्थान-आधारित वितरण के अपने उद्देश्य हासिल किये हैं। आने वाले वर्षों में, यह आवश्यक है कि पीएमएमवाई 5जी तकनीक और ई-कॉमर्स के लाभों को प्राप्त करे, भले ही मुद्रा कार्ड को और अधिक लोकप्रिय किया जा रहा हो।

स्व-खाता उद्यमों के पंजीकरण और औपचारिकता को प्रोत्साहित करना, इस योजना को नई ऊंचाई पर ले जाने का एक और तरीका हो सकता है। विख्यात मानवविज्ञानी ऑस्कर लुईस ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक, 'द चिल्ड्रन ऑफ सांचेज' में तर्क दिया था कि "गरीबी की संस्कृति" समय के साथ खुद को कायम रखती है और अक्सर सीमाओं को पार कर जाती है। पीएमएमवाई ने, बहुत कम समय में, न केवल गरीबी की इस संस्कृति को समाप्त करने के प्रयास किये हैं और इसे बदल देने में सफल रहा है, बल्कि भारतीय सूक्ष्म-ऋण इकोसिस्टम में जीवंतता और 'कर-सकते-हैं' की भावना का संचार किया है। पीएमएमवाई स्पष्ट रूप से 'सामान्य समस्याओं' का एक असामान्य समाधान रहा है।

रोजगार मेले के तहत प्रधानमंत्री 13 अप्रैल को सरकारी विभागों और संगठनों में भर्ती हुए नवनियुक्त कर्मियों को लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी देश भर में स्थित केंद्रों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 13 अप्रैल को सुबह 10.30 बजे लगभग 71000 नवनियुक्त कर्मियों के लिए पूरे भारत मे चौथे "रोजगार मेला" का शुभारंभ हुआ।

ऐसा ही एक मेगा इवेंट पटिआला रेल इंजन कारखाना, पटियाला में पी.एल॰डब्ल्यू ऑडिटोरियम में आयोजित किया जा रहा है। समारोह के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवनियुक्त कर्मियों को लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री इन नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित भी करेंगे। यह रोजगार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

उम्मीद है कि रोजगार मेला, ओर रोजगार सृजन के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा तथा युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। देश भर से चुने गए नवनियुक्त कर्मियों भारत सरकार के अधीन विभिन्न पदों पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। पटियाला रेल इंजन कारखाना, पटियाला में समारोह के दौरान सहायक अभियंता, सहायक छात्र काउंसलर, सहायक रजिस्ट्रार, जे.ई., जूनियर अकाउंट असिस्टेंट, सीनियर क्लर्क, डी.एम.एस., जूनियर क्लर्क, टेक्नीशन-III (डीजल) मैकेनिकल, सीनियर टाइम कीपर, ऑफिसर स्केल 2 और ऑफिसर स्केल 3 आदि को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए माननीय प्रधान मंत्री से नियुक्ति पत्र मिलेगा। नवनियुक्त कर्मियों को 'कामयोगी प्रारंभ" के माध्यम से स्वय को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा, जो विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नवनियुक्त कर्मियों के लिए एक ऑनलाइन उन्मुखीकरण पाठयक्रम है।

उचित जरूरतों पर पर्याप्त ध्यान

उच्च शिक्षा क्षेत्र पर केंद्रीय बजट 2023 के प्रभाव को समझना

• **जालंधर ब्रीज.** इंदौर

केंद्रीय बजट की घोषणा मीडिया का अत्यधिक ध्यान आकर्षित करती है, क्योंकि यह नए वित्तीय वर्ष में प्रवेश करने की तैयारी के क्रम में लोगों की मनोदशा, भावनाओं और आशाओं को दिशा देती है। बजट-घोषणा के बाद, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, इसका विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं, क्योंकि वे विशिष्ट क्षेत्र पर बजट के प्रभाव को समझने की कोशिश करते हैं, आगामी रुझानों का पूर्वानुमान लगाते हैं और भविष्य की चुनौतियों या अवसरों का अनुमान लगाते हैं।

बजट बनाने की तरह, बजट विश्लेषण की कला भी जटिल है और इसके लिए न केवल विशेषज्ञता और अनुभव की आवश्यकता होती है, बल्कि सूक्ष्म विवरणों के लिए पैनी नज़र भी होनी चाहिए, क्योंकि किसी व्यक्ति का आकलन गलत भी हो सकता है, यदि वह बारीकी से पूरा अर्थ समझने में विफल रहता है। यदि हम इस वर्ष उच्च शिक्षा क्षेत्र की समग्र भावना पर ध्यान दें, तो इसे सकारात्मक कहा जा सकता है। मैं कठिन सन्दर्भों को रेखांकित करने और एक स्पष्ट परिदृश्य प्रस्तुत करने के लिए विवरणों को गहराई से समझने का प्रयास कर रहा हूं। कुछ लोगों को ऐसा प्रतीत हो सकता है कि पिछले वर्ष के 653.92 करोड़ रुपये की तुलना में, भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) की वित्तीय सहायता के आवंटन में लगभग 300 करोड़ रुपये की कमी की गयी है। तथ्य यह है कि आईआईएमएस, कैबिनेट अनुमोदन के तहत अवसंरचना (इमारतों और अन्य भौतिक संपत्ति) के विकास के लिए पूंजी मद में वित्तीय सहायता प्राप्त करते हैं। एक सीमित अवधि के लिए, आवर्ती धन भी उपलब्ध कराया जाता है। आईआईएम परियोजना समाप्त होने के बाद (जैसा कैबिनेट द्वारा अनुमोदित होता है) उस मद में आईआईएम को कोई और धनराशि नहीं दी जाती है। इस कारण, आईआईएम के बजट प्रावधान न्यूनतम स्तर पर सीमित होते हैं, जो कैबिनेट

हिमांशु राय
(निदेशक, आईआईएम, इंदौर)

की अनुमति के साथ अनुदान की शेष राशि का भुगतान करने के लिए पर्याप्त होते हैं। इसी तरह, कुछ टिप्पणीकारों ने तर्क दिया है कि बजट में उच्च शिक्षा वित्त पोषण एजेंसी (एचईएफए) के लिए आवंटन का कोई उल्लेख नहीं है।

अब तक, सरकार ने एचईएफए में 4812.50 करोड़ रुपये की सरकारी इक्विटी का निवेश किया है। एचईएफए के बैंक भागीदार, केनरा बैंक ने भी इक्विटी के रूप में 481.25 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। 5293.75 करोड़ रुपये की इस इक्विटी का उपयोग करते हुए विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों को 52,937 करोड़ रुपये तक के ऋण दिए जा सकते हैं। नयी इक्विटी की कोई आवश्यकता नहीं है, जब तक कि इस इक्विटी का पूरी तरह से फायदा नहीं उठाया जाता है। इस वजह से, वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए एचईएफए इक्विटी प्रावधान को शून्य पर रखा गया है और जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया भी जा सकता है। कुछ लोगों ने इंप्रेस (आईएमपीआरईएसएस) योजना और एमओओसी के लिए बजट में प्रावधान की कमी की बात कही। इम्प्रेस योजना को 31 मार्च, 2021 तक उपयोग के लिए अनुमोदित किया गया था और तब से इसे उच्च शिक्षा संस्थानों में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए लागू किया जा रहा है।

जब तक इसके प्रभाव का तीसरे पक्ष द्वारा मूल्यांकन नहीं किया जाता है, तब तक इस प्रावधान को आगे बढ़ाने का कोई अर्थ नहीं है। इसके अलावा, एमओओसी और ई-शोध सिंधु (ई-एसएस) अब विशिष्ट कार्यक्रम नहीं हैं। उन्हें एनएमईआईसीटी के अलग-अलग घटकों के रूप में जोड़ा गया है और इसके लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। अंत में, कुछ लोगों ने यह भी महसूस किया है कि उच्च शिक्षा के लिए 2022-23 के 55,078 करोड़ रुपये की तुलना में 2023-24 में 50,094 करोड़ रुपये आवंटित किये गए हैं, जो आवंटन में हुई कमी को दर्शाते हैं। वास्तविक सन्दर्भ को समझने के लिए, हमें इसके लेखे-जोखे में जाना होगा। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार, उपकर निधियों को सकल बजट आवंटन में दो बार शामिल किया जाता है। शुद्ध बजट आवंटन, जिसे वास्तविक बजट आवंटन भी कहा जाता है, के निर्धारण के लिए सकल बजटीय आवंटन में से "आरक्षित निधि में स्थानांतरण" राशि एक बार घटा दी जाती है। इसे नीचे दी गई तालिका में देखा जा सकता है।

भारतीय महिलाओं के अधिकारों के रक्षक बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर साहब

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

भारतीय नारी सदैव अन्याय की शिकार रही है। धार्मिक और सामाजिक कानूनों, कानूनों और परंपराओं आदि को देखें तो हर जगह उसका शोषण हुआ। महात्मा बुद्ध ने सबसे पहले महिलाओं की समानता की बात शुरू की और संघ के द्वार खोलकर उन्हें पुरुषों के बराबर का दर्जा दिया। उन भिक्षुणियों को संघ के घेरे में लाकर महाप्रजापति को उनका प्रधान नियुक्त किया। इसी प्रकार वैशाली की तथाकथित वैश्य आम्रपाली तथा तथाकथित अछूत कन्या सुजाता को भी संघ में सम्मिलित कर समान दर्जा दिया । ये भारतीय महिलाओं के अधिकारों के लिए उठाए गए पहले प्रामाणिक और क्रांतिकारी कदम थे।

आज के समय की त्रासदी यह है कि भारतीय महिला उन लोगों को भूल गई, जिन्होंने उसके अधिकारों को प्रदान किया, चाहे वह हिंदू, मुस्लिम, सिख या दलित महिला हो। आज अधिक से अधिक महिलाएँ काल्पनिक देवी-देवताओं, पीर-फकीरों, बाबाओं आदि की पूजा करके अवैज्ञानिक और गैर-तर्कवादी दृष्टिकोण अपना रही हैं, जिनकी महिलाओं की स्थिति में सुधार में कोई भूमिका नहीं है। वे अवैज्ञानिक प्रसंगों, तथाकथित देवी-देवताओं से जुड़े उपाख्यानों पर विश्वास करके अंधेरे में भटकते रहते हैं। तर्क/दलील की बात करने वालों को पापी कहती हैं और यह कहती है की वे उन्हें ईश्वर से दूर करते हैं वे अपने रहबरों के जन्म दिन पर फूल चढ़ाने की बजाए पांडे-पुजारियों पर अपने परिवार की नेक कमाई बर्बाद करती हैं।

सर्वजन महिलाएं:- समाज के पिछड़े वर्ग को सही दिशा देना किसी भी समाज के उच्च वर्ग का कर्तव्य है। जबकि उच्च जाति समाज की महिलाएँ, जो सबसे पहले साक्षर हुई और जिन्होंने भारतीय संविधान में निहित अधिकारों से सबसे अधिक लाभ उठाया, उनका नैतिक कर्तव्य था कि वे पिछड़े समाज की महिलाओं को शिक्षित करें, लेकिन उन्होंने इसे नहीं पहचाना। वे स्वयं उस व्यवस्था का हिस्सा बन गई जो निम्न वर्गों को और अधिक अधीन करने और दलितों को और अधिक प्रताड़ित करने में लगी हुई है। ऐसा देखने में आया है कि बहुजन महिलाएं इन सर्वजन महिलाओं की हर बात में नकल करती रहती हैं, चाहे वह धार्मिक मामला हो, सामाजिक मामला हो या फैशन आदि।

बहुजन महिलाएं:- सर्वजन महिलाओं को जाति के कारण उचित मात्रा में अधिकार दिए गए हैं और उन्हें मंदिरों/पूजा आदि में प्रवेश करने का अधिकार है, लेकिन बहुजन महिलाएं जिन्हें अक्सर अछूत/शूद्र/अत्ती-शूद्र/पंचम आदि कहकर अपमानित किया जाता है, वे किस मुंह से अपमानित किया जाता है वह किस मुँह से इन जगहों पर जाकर खुद का और अपने समाज को अपमानित करतीं है ।

बाबा साहेब के ये शब्द आज भी इन महिलाओं पर लागू होते हैं:- गुलामों के कोई त्यौहार नहीं होते, वे नासमझ बेवकूफों की तरह शासक वर्ग द्वारा थोपे गए त्योहारों को ही मनाते हैं।

(बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर)

महिला अधिकारों की पृष्ठभूमि:- आज की महिलाओं को बिना किसी विशेष संघर्ष के बहुत से अधिकार मिल गए हैं, शायद इसलिए उन्हें यह एहसास नहीं है कि इन अधिकारों को पाने के लिए कितनी पीड़ा, कष्ट और संघर्ष करना पड़ा है।

सतीप्रथा:- पति की मृत्यु के बाद स्त्री को जीवित जलाने की प्रथा को रोकने के लिए विलियम बैंटिंग ने बहुत प्रयास किया।

अनिल महे
(Retd. Dy. Director, DD News, Jalandhar)

देवदासी प्रथा:- केरल की मुथुलक्ष्मी रेड्डी ने अविवाहित लड़कियों की भगवान की मूर्तियों से शादी करने और उनका यौन शोषण करने के इस "यौन धोखाधड़ी" को रोकने के लिए लड़ाई लड़ी।

स्तन ढकने का अधिकार :- त्रावणकोर (केरल) की एक दलित महिला नांगेली ने अपने स्तनों को ढंकने के बदले में हिंदुओं द्वारा वसूले जाने वाले "स्तन कर" का भुगतान करने से इनकार कर दिया और बदले में अपने स्तनों को काटकर सरकारी अधिकारियों के सामने पेश कर दिया। इस घटना के कारण सार्वजनिक विद्रोह हुआ और सरकार ने महिलाओं को अपने स्तन ढकने की अनुमति दी।

सावित्री बाई फुले :-

महाराष्ट्र की सावित्री बाई फुले (1831) ने महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने लड़कियों को शिक्षित करने के लिए देश का पहला स्कूल खोला।

हिन्दू कोड बिल :- आजादी के बाद, बाबा साहेब स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री बने जिसके चलते उन्होंने भारतीय महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए हिन्दू कोड बिल का मसौदा त्यार किया । लेकिन जब नेहरू सरकार ने इस बिल को लागू करने से इन्कार कर दिया तो उन्होंने कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।

संवैधानिक अधिकारों का प्रावधान:- वास्तव में भारतीय महिलाओं को अलग-अलग अधिकारों के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ा ना कि रूस की क्रांति में रूस की महिलाओं को, फ्रांस की क्रांति में फ्रांसीसी महिलाओं को और जर्मनी की क्रांति में जर्मन महिलाओं को। इससे पहले वे भी भारतीय महिलाओं की तरह घर की चार दीवारी तक ही सीमित थीं। लेकिन बाबा साहेब ने भारतीय महिलाओं के उन अधिकारों को संविधान में लिख दिया। इसलिए उन्होंने कोई संगठित संघर्ष नहीं किया।

1. वोट देने का अधिकार:- इसके अन्तर्गत "एक पुरुष, एक मत, एक मत, एक मूल्य" के सिद्धांत को अपनाकर रानी और दासी का पद एक हो गया।

2. संपत्ति का अधिकार :-

बाबा साहेब ने इस अधिकार के तहत पति की मृत्यु/तलाक की स्थिति में पत्नी को पति की आधी संपत्ति का हकदार बनाया। इससे पहले तलाक या विधवापन के बाद एक महिला को कई झटके झेलने पड़ते थे।

3. पढ़ने और लिखने का अधिकार:-

4. मातृत्व अवकाश आदि का अधिकार। ऐसे कई अधिकार हैं, जो संविधान में निहित थे। (ये अधिकार इंटरनेट पर भी उपलब्ध हैं)।

बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण के बाद उनके अनुयायियों ने उनके कारवां को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया, लेकिन इस काम में सबसे ज्यादा नुकसान अगर किसी ने किया है तो वो हैं बहुजन/दलित महिलाएं. अम्बेडकरी समाज को वैज्ञानिक राह दिखाने में लगे हैं लेकिन समाज का एक तबका दो बेड़ियों में खड़ा है एक तरफ जय भीम बोल रहा है और दूसरी तरफ अपने शोषकों की पालने में पड़ा है। जब तक बहुजन महिलाएं खुद का सम्मान करना नहीं सीखेंगी और अपने नेताओं के दिखाए रास्ते पर नहीं चलेंगी, तब तक बहुजन गरिमा का सपना अधूरा रहेगा।

14 अप्रैल को सभी सर्वजन/बहुजन/दलित महिलाओं को निकटतम अम्बेडकर भवन/गुरु रविदास गुरुद्वारा/बुद्ध विहार आदि में जाना चाहिए। कोई भी स्थान जहाँ बाबा साहेब अम्बेडकर का जन्मदिन मनाया जाता है या बुक स्टॉल लगाया जाता है, वहाँ से भारतीय संविधान की एक प्रति लानी चाहिए और अध्ययन करना चाहिए। यही बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

जालंधर लोकसभा उपचुनाव में पीएपी चौंक का मुद्दा करेगा हार-जीत तय

रामामंडी से लेकर पीएपी चौक तक इस रास्ते के बंद होने के कारण दो हिस्से में बंट गए और जो सफर 5 मिनट में तय होता था उसके लिए उनको आधे से एक घंटे तक जबरदस्त ट्रैफिक का सामना करना पड़ता है।

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

कांग्रेस की केंद्र सरकार में शुरू हुआ जालंधर-पानीपत मार्ग जिसको पूरे राज्य में 2007 से लेकर 2017 तक विराजमान अकाली-भाजपा की सरकार पूरा नहीं कर सकी। इसी कारण से सेंट्रल हलके से पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया को हार का सामना करना पड़ा था।

तदपश्चात 2017 में कांग्रेस की सरकार आई और विधायक राजिंदर बेरी द्वारा लोगों को धरना लगाकर लॉलीपॉप दिया गया। हालांकि मौजूदा विधायक इस मुद्दे को सुलझाने में पूरी तरह असफल रहे क्योंकि लोगों के हक़ में कम काम किया और लोगों को भयभीत करने पर ज़्यादा ज़ोर दे दिया। इसी कारण 2022 में सेंट्रल हलके के लोगों ने मनोरंजन कालिया और राजिंदर बेरी दोनों को छोड़कर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी रमन अरोड़ा को विजय दिलाकर विधायक बनाया। परन्तु रमन अरोड़ा की एक साल की कार्यशैली में कहीं भी पीएपी चौक का मुद्दा ना तो भाषणों में और ना ही किसी प्रशासनिक स्तर पर दिखाई दिया। जिस कारण शहर के लोग रामामंडी से लेकर पीएपी चौक तक इस रास्ते के बंद होने के कारण दो हिस्से में बंट गए और जो सफर 5 मिनट में तय होता था उसके लिए उनको आधे से एक घंटे तक जबरदस्त ट्रैफिक का सामना करना पड़ता है।

मौजूदा विधायक ने लोगों से जुड़ी इस मुद्दे पर नब्ज ना टटोली तो मौजूदा संसदीय चुनाव में उनके हलके के लोग अपना ग़ुस्सा दिखा सकते हैं और 2024 में दूसरे विधायकों की तरह हाशिये पर जाना पड़ सकता है।

अब देखना होगा कि दल बदल कर आए नेता, मौजूदा सरकार के नेता और केंद्र में आसीन भाजपा सरकार के नेता जो अक्सर स्मार्ट सिटी पर काफी बार प्रेस कांफ्रेंस कर उसमें पूर्व कांग्रेस की सरकार पर आरोप लगाते रहे हैं। इस मुद्दे पर मौजूदा चुनाव लड़ रहे नेता जालंधर के निवासियों को कैसे आश्वस्त कर पाएंगे, यानि अब जनता को बेवकूफ बनाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।

जालंधर शहर से अमृतसर जाने के लिए पिछले दो-तीन सालों से बंद पड़ा पीएपी फ्लाईओवर का कट। (फोटो- जालंधर ब्रीज)

जालंधर ब्रीज के पिछले अंकों में प्रकाशित खबरों की कटिंग

गौरवमयी पल

• **ऑक्सफोर्ड हॉस्पिटल के डॉ.गुरप्रीत सिंह गिल के परदादा की तस्वीर शहीद भाई बंता सिंह संघवाल सेंट्रल सिख म्यूज़ियम श्री दरबार साहिब में लगाई गई। इस मौके पर एसजीपीसी द्वारा डॉ.गुरप्रीत सिंह गिल को सिरोपा साहिब से सम्मानित किया गया।** (फोटो-जालंधर ब्रीज)

वन मंत्री कटारुचक्क ने 71 लाख की लागत वाले ईको पार्क का किया उद्घाटन

• **जालंधर ब्रीज.होशियारपुर**

खाद्य सिविल सप्लाई व उपभोक्ता मामले, वन व वन्य जीव मंत्री पंजाब लाल चंद कटारुचक्क ने कहा कि लोगों को स्वच्छ वातावरण देने के लिए पंजाब सरकार प्रयासरत है, जिसके चलते वन विभाग अलग-अलग प्रोजैक्टों के माध्यम से लोगों को प्रकृति के नजदीक ला रहा है। वे आज होशियारपुर में डिप्टी स्पीकर पंजाब विधान सभा जय कृष्ण सिंह रोढ़ी व कैबिनेट मंत्री पंजाब ब्रम शंकर जिंपा की मौजूदगी में 71 लाख रुपए की लागत के साथ भंगी चोअ के साथ बनाए गए ईको पार्क ग्रीन बैल्ट व बसी पुरानी के वन चेतना पार्क में नेचर इंटरप्रिटेशन सैंटर का उद्घाटन करने के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

वन मंत्री ने कहा कि भंगी चोअ के साथ करीब 46 लाख रुपए की लागत से बनाई गई ईको पार्क ग्रीन बैल्ट विभाग का एक विलक्षण संकल्प है, जिसमें भंगी चोअ के साथ सारे कूड़े को साफ किया गया व होशियारपुर के लोगों को प्रकृति के नजदीक लाने के लिए व सुंदरता का आनंद लेने के लिए एक पैदल मार्ग बनाया गया है।

बैसाखी पर्व और जालंधर चुनाव के मद्देनज़र पुलिस ने शहर में चलाया चैकिंग अभियान

• **जालंधर ब्रीज.जालंधर**

पुलिस आयुक्त जालंधर कुलदीप सिंह चहल आईपीएस, अंकुर गुप्ता आईपीएस, डीसीपी कानून व्यवस्था के निर्देशानुसार बैसाखी पर्व और 10 मई जालंधर चुनाव को ध्यान में रखते हुए कानून व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए आदित्य आईपीएस, एडीसीपी सिटी 2 जालंधर ने शहर भर में चौकियों की सघन चेकिंग की। सुपरवाईजिंग प्रभारियों को शहर में आने वाले वाहनों की उचित तरीके से जांच करने का आदेश दिया। बाहरी राज्यों से आने वाले संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों को बिना गहन जांच के नहीं जाने दिया जाए। यदि कोई आपराधिक या संदिग्ध गतिविधि देखी जाती है तो तुरंत पुलिस अधिकारियों को सूचित करें।

चोटिल हुए एमएस धोनी, अगला मैच खेलने पर संशय

मुंबई. राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को हार का सामना करना पड़ा है। इस मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी ने 17 गेंदों में 32 रनों की धमाकेदार पारी खेली तो जरुर मगर वो अपनी टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो सके। महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी पारी में 3 छक्कों और एक चौके की मदद से धमाकेदारी पारी तो खेली मगर इस पारी को जीत में सफल नहीं हो सके और चेन्नई को तीन रन से हार का सामना करना पड़ा।

इस मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी अंतिम गेंद पर छक्का नहीं लगा सके और टीम को जीत नहीं मिली। मगर इस मुकाबले में हार के साथ ही कुछ ऐसा हुआ जो फैंस के लिए अधिक चिंता का विषय बन गया है। दरअसल इस मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी चोटिल हो गए है। इसकी जानकारी कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने दी है। उन्होंने मीडिया को बताया कि माही चोटिल हुए है, जिससे फैंस काफी परेशान हो गए है। कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने बताया कि धोनी घुटने की चोट से परेशान हो गए है। मैच के दौरान धोनी को देखकर इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। धोनी की फिटनेस अब तक हमेशा शानदार रही है। वो अपने खेल को लेकर बेहद प्रोफेशनल है। टीम के फिजियो धोनी की फिटनेस पर ध्यान दे रहे है और उनकी चोट की निगरानी भी रखी जा रही है। वैसे ये बात सामने नहीं आई है कि महेंद्र सिंह धोनी अगला मुकाबला खेलेंगे या नहीं, मगर फैंस धोनी की चोट की जानकारी मिलने पर परेशान हो गए है।

चेन्नई सुपर किंग्स के महेंद्र सिंह धोनी इस समय चोट से जूझ रहे है। ऐसे में टीम के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। महेंद्र सिंह धोनी के अलावा टीम के कई खिलाड़ी चोटिल होने के कारण बाहर बैठे है। इसमें स्टार गेंदबाज दीपक चाहर, सिमरजीत, बेनस्टोक्स और सिसांडा मगाला शामिल है। उनके अलावा जैमिसन और मुकेश चौधरी भी लीग से बाहर हैं क्योंकि वो चोटिल हो गए है। जानकारी के मुताबिक दीपक चाहर चोट के कारण दो सप्ताह तक कोई मैच नहीं खेल सकेंगे, जबकि सिसांडा मगाला भी एक सप्ताह के लिए बाहर है।

खरड़ के लोगों को जल्दी मिलेगी कजौली वॉटर वर्कस प्रोजैक्ट से सतही पानी की सप्लाई : अनमोल गगन मान

• **जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़**

मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व अधीन पंजाब सरकार द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के द्वारा मिल रहे पानी का सर्वोत्तम प्रयोग करने के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा खरड़ में भूजल का स्तर लगातार गिरने के कारण पीने वाले पानी की कमी को दूर करने के लिए कजौली वॉटर वर्कस से सर्फेस वॉटर की सप्लाई करने सम्बन्धी बनाए गए प्रोजैक्ट पर बहुत तेज़ी से काम किया जा रहा है।

पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले, लेबर, निवेश प्रोत्साहन और आतिथ्य मंत्री अनमोल गगन मान ने बताया कि खरड़ के लोग पानी की समस्या से काफ़ी समय जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा लोगों को पीने वाले पानी की समस्या को हल करने के लिए राज्य सरकार द्वारा 7.29 करोड़ रुपए की लागत से कजौली वॉटर वर्कस से सर्फेस वॉटर प्रोजैक्ट तैयार किया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि इस प्रोजैक्ट के फेज़-1 में हलका खरड़ के गाँव जंडपुर के नज़दीक गमाडा द्वारा बनाए जा रहे मौजूदा वॉटर ट्रीटमैंट प्लांट से 5 एमजीडी ट्रीट्ड सतही पानी जंडपुर, हलालपुर और झुग्गियां रोड के साथ लगने वाले क्षेत्र को सप्लाई किया जायेगा। जिससे लोगों को शुद्ध पानी न मिलने की मुश्किल से बड़ी राहत मिलेगी।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.